

घटक पुं. (तत्.) 1. दो पशुओं में बातचीत करानेवाला, बीच में पड़नेवाला, मध्यस्थ, योजक, मिलानेवाला 2. किसी वस्तु का बनाने या रचना करने वाला 3. चतुर, चालाक विवाह-संबंध तय कराने वाला व्यक्ति 4. दलाल 5. काम पूरा करने वाला 6. वंश परम्परा बताने वाला 7. उपादान वस्तु, अन्य वस्तु 8. बिना फूल-फल देनेवाला वृक्ष जैसे- गूलार 9. घड़ा।

घटककटक पुं. (तत्.) संगीत में एक प्रकार का ताल।

घटकर्ण पुं. (तत्.) कुंभकर्ण।

घटकर्पर पुं. (तत्.) नीतिसार नामक काव्य के प्रणेता कवि घटकर्पर हुए हैं जो विक्रमादित्य की सभा के नौ रत्नों में से एक थे, इनका छोटा-सा काव्य यमक अलंकार से परिपूर्ण है, यदि कोई इससे सुंदर यमकालंकार कविता करेगा तो मैं फूटे घड़े के टुकड़े से उसका जल भरूंगा, इसी प्रतिज्ञा के कारण इन्हें 'घटकर्पर' कहते हैं।

घटका पुं. (तत्.) मरने के पहले की वह अवस्था जिसमें साँस रुक-रुककर घरघराहट के साथ निकलती है, घरी, कंठावरोध स्त्री. घटिया, समय सूचक घड़ी।

घटती स्त्री. (देश.) 1. कमी, कसर, न्यूनता, अवनति।

घटन पुं. (तत्.) 1. गढ़ा जाना, रूप या आकार देना 2. होना, घटित होना 3. मिलाना, जोड़ना 4. प्रयास, गति, प्रयत्न।

घटना पुं. (तत्.) 1. घटित होना, उपस्थित होना 2. लगना, सटीक बैठना, मेल, मिल जाना 3. बनाना, रचना करना 4. हादसा, वारदात।

घटना अ.क्रि. (देश.) कम होना, छोटा होना, क्षीण होना प्रयो. बारिश अधिक न होने के कारण यमुना का जलस्तर दिनोंदिन घट रहा है।

घटपल्लव पुं. (तत्.) वास्तु विद्या में वह खंभा जिसका सिरा घड़े आदि के आकार का बना हो।

घटबढ़ स्त्री. (देश.) 1. कमीबेशी, न्यूनाधिकता 2. कमवेश, अपेक्षित से कम या अधिक 3. नृत्य संगीत में लय घटने-बढ़ने की क्रिया।

घटवाई पुं. (देश.) 1. घाटवाला, घाट का कर लेने वाला 2. बिना तलाशी लिए न जाने देनेवाला, रोकनेवाला।

घटवार पुं. (देश.) घाट का महसूल लेनेवाला 2. मल्लाह, केवट, घाट पर बैठ कर दान लेने वाला ब्राह्मण 4. घाट का देवता।

घटवारिया पुं. (देश.) घटवालिया, पंडा, पुरोहित, तीर्थ में दान लेने वाला।

घटवाह पुं. (देश.) 1. घाट का ठेकेदार, घाट का कर वसूलनेवाला।

घटहा पुं. (देश.) घाट का ठेकेदार 2. वह नाव जो इस पार से उस पार जाती है।

घटा स्त्री. (तत्.) 1. मेघों का बना समूह, मेघमाला, कादंबिनी 2. समूह 3. चेष्टा, प्रयत्न 4. सैनिक कार्य के लिए एकत्र हाथियों का झुंड 5. सभा, गोष्ठी।

घटाकाश पुं. (तत्.) आकाश का उतना भाग जितना एक घड़े के अंदर आ जाए, घड़े के अंदर की खाली जगह।

घटाग्र पुं. (तत्.) वास्तुस्तंभ का अष्टम भाग, वास्तु विद्या में खंभे के नौ भागों में से आठवाँ भाग।

घटाटोप पुं. (तत्.) अंधकार पैदा करने वाले बादलों का समूह 2. पालकी को ढकने का आवरण 3. बादलों की भांति चारों ओर से घेर लेने वाला समूह।

घटाना स.क्रि. (देश.) 1. कम करना 2. क्षीण करना 3. बाकी निकालना, काटना 3. अप्रतिष्ठा करना।

घटाव पुं. (देश.) कम होने का भाव, न्यूनता, कमी 2. अवनति 3. नदी की बाढ़ का घटना या कम होना।

घटिक पुं. (तत्.) घंटा पूरा होने पर घड़ियाल बजानेवाला व्यक्ति, घंटा बजानेवाला सिपाही, घड़ियाली 2. घड़नई के सहारे जलाशय को पार कराने वाला 3. नितंब।

घटिका स्त्री. (तत्.) घड़ी यंत्र, घड़ी 2. एक घड़ी का समय, 24 मिनट का समय 3. छोटा घड़ा,